सं० ग्रो० वि० एफ०डी०/58-87/30145.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं० मैनेजिंग डायंरेक्टर कर्फंड, ऐस०सी०श्रो० नं० 1014-15, सैक्टर 22 वी, चण्डीगढ़ (2) मैनेजर, कर्फंड, प्लाट नं० 94, सैक्टर 6, फरीदाबाद, के श्रमिक मिस रेवा शर्मा, पुत्री श्री एस०पी० शर्मा, मकान नं० 1716, सैक्टर 7-ई, फरीदाबादा तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतू निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिये ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिविनियम, 1947 की घारा 10 की उप-घारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की घारा 7-क के ग्रिघीन गठित ग्रौद्योगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं श्रथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतू निर्दिष्ट करते हैं।

क्या मिस रेवा शर्मा की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं तो वह किस राहत की हकदार है ?

संग्रो० विग्एफ०डी०/161-87/30153.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि में ग्राजधानी सैल्ज कारपोरंशन, 12/1, मथुरा रोड फरीदाबाद, के श्रमिक श्री श्याम लाल, पुत्र श्री फयादीम मार्फत सीटू, 2/7, गोपी कालोनी पुराना फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद हैं;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतू निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिये भ्रव, भौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की घारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त भ्रधिनियम की घारा 7-क के भ्रधीन गठित भौद्योगिक ग्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवाद ग्रस्त मामला/मामले हैं, भ्रथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतू निर्दिष्ट करते हैं।

क्या श्री श्याम लाल की सेवा समाप्त की गई है या उसने स्वयं चुकती हिसाब प्राप्त करके नौकरी छोड़ी है ? इस बिन्दु पर निर्णय के फसस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो० वि० एफ.डी./गुड़गांव/173-87/30160.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० दी रिवाड़ी सैन्ट्रल कोपरेटिव बैंक लि०, रिवाड़ी (हरियाणा) के श्रमिक श्री महेन्द्र सिंह, पुत्र श्री राम चन्दर, गांव बावरोली, तहसील रेवाड़ी जिला महेन्द्रगढ़ तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है ;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतू निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिये ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7—क के ग्रिधीन गठित ग्रीद्योगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबादा को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रिमकों के बीच या तो विवादग्रस्त माला/मामले हैं ग्रथवा विवाद से सुसंगत या सर्वधित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतू निर्दिष्ट करते हैं।

क्या श्री महेन्द्र सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं्ध्रों विष्फ.डी./गुड़गांव/170-87/30167.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं हीरो हाण्डा मोटरज लि॰, धारुहेंड़ा (हरियाणा) के श्रमिक श्री विरेन्द्र सिंह, पुत्रश्री चन्दा राम मार्फत श्री महाबीर त्यागी ग्रीरगैनाईजर इन्टक देहली रोड़ गुड़गांव तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

म्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यभाल इस विदाद को न्यायनिर्णम हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

HARYANA GOVT GAZ., AUGUST 18, 1987 (SRVN. 27, 1909 SAKA)

इसलिये, ग्रब, ग्रीदोगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके ढारा उक्त भ्रधिनियम की घारा 7–क के अधीन गठित श्रोधोगिक मधिकरण,हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जोकि उक्त प्रबन्धकों तथाश्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला 🗜 ग्रयवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला है न्यायनिर्णय एवं पचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री विरेन्द्र सिंह की सेवामों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

संख्या ग्रो॰ वि॰/एफ॰डी॰/गुड़गांव/133-87/30174:--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० न्यू फोम रब्बड़ इण्डस्ट्रीज 31-वी, इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, गुड़गांव, के श्रमिक श्री दील बहादुर, मार्फत श्री मुरली कुमार महा सचिव, 5/1, शिवा जी नगर, गुड़गांव तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके वाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, भव, भौद्योगिक विवाद स्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित भौद्योगिक अधि-करण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले मथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले है न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :--

क्या श्री दील बहादुर की सेवा समाप्त की गई है या उस ने स्वयं गैर-हाजिरहो कर लियन खोया है ? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?

## दिनांक 31 जुलाई, 1987

संख्या ग्रो वि एफ बी (61-87/30703 - चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै पंजाब इण्डस्ट्रीज, प्लाट नं 150, सैक्टर 24, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री डालू यादव, मार्फत हिन्द मजदूर सभा, 29, शहीद चौक, फरीदाबाद तथा प्रबुच्धकों के मध्य इसमें इसके बाव लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भौर चंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद की न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये अब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई भक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित श्रीद्योगिक अधिकरण श हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले है ग्रथवा विवाद से मुसंगत या संबंधित मामला/मामले के न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं;

क्या श्री डालू यादव की सेवामों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

संख्या ग्रो० वि० एफ ब्ही ०/61-87/30710 - चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० पंजाब इण्डस्ट्रीज, प्लाट नं ० 150, सैक्टर 24, फरीदाबाद के श्रमिक श्री लक्षमण प्रसाद, मार्फत हिन्द मजदूर सभा 29, नीलम सिनेमा फरीदाबाद तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई स्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछिनीय समझते हैं;

इसलिये, भ्रव, श्रीबोगिक विचाद ग्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खंण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले है ग्रथवा विवाद से सुसंगत या संबंनिधंत मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं: --

क्या श्री लक्षमण प्रसाद की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

संख्या भ्रो० वि० एफ ०डी० / 61-87 / 30717.--चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० पंजाब इण्डस्ट्रीज ध्लाट नं 150, सैक्टर 24, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री बी. के. राय, मार्फत हिन्द मजदूर सभा 29, नीलम सिनेमा फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, भन, श्रीसोगिक विवाद मिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करने हुये हरियाचा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7~क के ग्रधीन गठित ग्रौद्योगिक भिष्ठकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जोकि उक्त प्रबन्धक तथा श्रमिक के बीच या जो विवादग्रस्त मामला हैं भथवा विवाद से सुसंगत या संबंन्धित मामला है न्याय निर्णय हेतू एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

V1 27 25

क्या श्री बी. के. राय की सेवामों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं० मो० वि०एफ०डी/79-87/30724.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० एस्कोर्टस लि०, (मोटर साईकिल डिवि०), 19/6, मथुरा रोड, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री ईश्वर सिंह, पुत्न श्री रिसाल सिंह माफेंत श्री डी० पी० गौतम, आल एस्कोर्टस इम्पलाईज यूनियन, नीलम फलाई भोवर, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इस लिये, अब, अौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादप्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बंनिधत मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:---

क्या श्री ईश्वर सिंह की सेवाग्रों समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो० वि० एफ०डी०/118-86/30732.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० कैपिटल रहबड़ एण्ड प्लास्टिक, 22-ए, ग्रौद्योगिक क्षेत्र, फरोदाबाद के श्रीमक श्री तुल्ली पंडित मार्फत भारतीय मजदूर संब, विश्वकर्मा भवन, नीलम बाटा रोड, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं ;

इसलिये, श्रव, श्रीबोगिक विवाद श्रिधिनयम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रिधिनयम की धारा 7क के श्रिधीन गठित श्रौद्योगिक श्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है श्रयधा विवाद से सुसंगत या सम्बंन्धित मामला है न्वाविनर्णय एव पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं।

क्या श्री तुलसी पंडित की सेवा समाप्त की गई हैं या उसने स्वयं नौकरी से गैर-हाजिर होंकर लियन खोया है? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो० वि० एफ०डी०/104-87/30739.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं० बाईट मैटल कोटिंग, डी०एल०एफ० एरिया, फरीदाबाद के श्रमिक श्री जनार्दन प्रसाद, पुत्र श्री ललन सिंह मार्फत हिन्द मजदूर सभा 29, शहीद चौक, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिये, ग्रबं, ग्रोबोगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रिधिनियम की घारा 7-क के श्रिधीन गठित श्रोबोगिक श्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिद्धिट मामले जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है श्राथवा विवाद से मुसगत या संबंधित मामला है न्याय निर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं: -

क्या श्री जनार्दन प्रसाद की सेघा समाप्त की गई है या उसने कार्य से स्वयं गैरहाजिर हो कर नौकरी से श्रपना पुनर्ग्रहणाधिकार (लियन) खोया है ? इस विन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?